दलित समस्या के समाधान में डॉ० अम्बेदकर की भूमिका

डॉ० दीपक कुमार

जन्मगत असमानता पर आधारित भारतीय समाज अनेक जातियों, उपजातियों में बँटा हुआ है। इस सामाजिक पदसोपान में दलित सबसे नीचे हैं। इनका अतीत दुखद एवं पहचान दुर्भाग्यपूर्ण है। हजारों वर्षों से शोषित, उत्पीड़ित एवं मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित दलित समाज आज भी अपनी मुक्ति की राह देख रहा है। हालांकि समय–समय पर इनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रयास हुए हैं किन्तु इसमें आंशिक सफलता ही मिल पायी है। महात्मा बुद्ध से लेकर दयानंद सरस्वती तक ने दलितोत्थान के लिए प्रयास किये किन्तु इस बिन्दु पर उन्हें पराजय का ही सामना करना पड़ा।